

# द फाइनेंशियल





जैसा कि आपने अब तक देखा और पढ़ा होगा, कोविड-19 महामारी आधुनिक इतिहास में सबसे विध्वंसकारक साबित हुई है। यह अब दुनिया के लगभग सभी देशों में फैल चुकी है और अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों पर गंभीर दबाव डाल रही है। दुनिया की लगभग आधी आबादी पर संबंधित सरकारों ने किसी न किसी तरह के प्रतिबन्ध लगाए है। यह मानव इतिहास में अभूतपूर्व है, लेकिन यह समस्या भी तो अभृतपूर्व है।

इसलिए, जबिक इस कोरोना वायरस ने काफी नुकसान पहुंचाया है, हम इससे कितनी तेजी से और कितनी अच्छी तरह से उबरतें हैं, यह सरकार द्वारा किये गये उपायों और नीतियों तथा व्यवसाईयों हवारा अपनायी रणनीतियों पर निर्भर करेगा। समाज के रूप में, हमें उस दिशा की गंभीरता से समीक्षा करनी चाहिए जो हम भविष्य में विकास के लिए लेना चाहते हैं। व्यक्तिगत स्तर पर हमें इस वायरस के साथ रहना और नए सामान्य के साथ खुद को ढ़ालना होगा। द फाइनेंशियल कैलिडोस्कोप के इस संस्करण में, हम कोविड-19 महामारी के प्रभाव, प्रतिभूति बाजार की वर्तमान स्थिति और खुदरा निवेशकों के लिए इसका क्या अर्थ है, इस पर चर्चा जारी रखेंगे। हम इस बात पर भी चर्चा करेंगे कि पूंजी बाजार के लिए डिजिटलाइजेशन कैसे एक वरदान साबित हुआ है और वित्तीय लेनदेन ऑनलाइन करते समय हमें क्या सावधानियां बरतनी चाहिए। एक विशेष उल्लेख के रूप में, हम हाल ही में लॉन्च किए गए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की विस्तृत जानकारी साझा कर रहे हैं। हम अपने सभी पाठकों को 'नॉलेज विंस कांटेस्ट में भाग लेने के लिए और न्यूज़लेटर के अंदर दी गयी लिंक पर अपनी प्रतिक्रिया और सुझाव देने के लिए आमंत्रित करते हैं।

घर में रहें, सुरक्षित रहें। आभार, टीम एनएसडीएल

## वैश्विक अर्थव्यवस्था, भारत और बाजार

मानवीय जिंदगियां बचाने के उद्देश्य से, अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सीमाएं बंद की गईं और व्यावसायिक गतिविधियां एक ठहराव पर आ गईं। इस अनिश्चितता में लोगों की आवाजाही पर लंबे और व्यापक प्रतिबंध से व्यापार चक्र प्रभावित हुआ तथा मांग और पूर्ति के समीकरण बदल गए हैं।

कोविड-19 की वजह से हुई आर्थिक गिरावट को देखने का एक तरीका औद्योगिक उत्पादन के साथ संबंध रखने वाले प्रमुख संकेतकों के माध्यम से है। इसमें ऊर्जा, धातु, कीमती धातु, कृषि सामान और कच्चा तेल शामिल हैं, जिनमें से अधिकांश (कॉफी, सोना, गेहूं और यूरेनियम को छोड़कर) की खपत में गिरावट आई है। इतिहास में पहली बार कच्चा तेल शून्य से नीचे गिरा है।

25 मार्च को लॉकडाउन की घोषणा के बाद से, निर्माण और सेवा क्षेत्रों के अधिकांश गैर-जरूरी व्यवसाय बंद हो गए। इसका प्रतिकूल प्रभाव 8 में से 7 मुख्य उद्योगों में आई तेज गिरावट में देखा जा सकता है, जो भारत के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक का लगभग 40% हैं।

इसके अतिरिक्त, अधिकांश कारखानों और कार्यालयों के बंद होने से बड़ी संख्या में श्रमिकों, विशेष रूप से अनौपचारिक और असंगठित क्षेत्र में काम करने वालों को काम मिलना बंद हो गया। परिणामस्वरूप, भारत ने अप्रैल में 27.1% की बेरोजगारी दर दर्ज की, जो एक ही महीने में 12 करोड़ से अधिक नौकरियों के नुकसान के बराबर है।

इन दो कारणों के साथ सामान्यता के बारे में अनिश्चितताओं की वजह से अधिकांश गैर-आवश्यक सेवाओं के उत्पादन और मांग प्रभावित हुए हैं। परिणामस्वरूप, अधिकांश विशेषज्ञों और विश्लेषकों ने इस वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर का अनुमान 1.0 से 2.0% के बीच लगाया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था को यह झटका बहुत मुश्किल समय पर लगा है। हालाँकि, वैश्विक दृष्टिकोण से भारत अन्य देशों की तुलना में बेहतर है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुमानों के अनुसार वर्तमान वर्ष के लिए भारत सकारात्मक जीडीपी वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद करने वाली केवल दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। 2021 का प्रक्षेपण और भी बेहतर बताया गया है (नीचे दी गई तालिका देखें)। इसलिए जबिक वित्त वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही असफल हुई हैं, शेष वर्ष के लिए सरकार द्वारा लिए जाने वाले राजकोषीय और मौद्रिक उपायों पर आशा टिकी हुई है।

"मै आपको बताऊंगा कि अमीर कैसे बनें; दरवाजे बंद करो। दूसरों के लालची होने पर भयभीत हों। लालची बनो जब दूसरे लोग भयभीत होते हैं।" - वॉरेन बफेट

वास्तविक जीडीपी में % परिवर्तन				
क्षेत्र	2019	2020 (प्रक्षेपण)	2021 (प्रक्षेपण)	
दुनिया का उत्पादन	2.9	-3.0	5.8	
भारत	4.2	1.9	7.4	
ब्राज़ील	1.1	-5.3	2.9	
कनाडा	1.6	-6.2	4.2	
चीन	6.1	1.2	9.2	
फ्रांस	1.3	-7.2	4.5	
जर्मनी	0.5	-7.0	5.2	
इटली	0.3	-9.1	4.8	
जापान	0.7	-5.2	3.0	
रूस	1.3	-5.5	3.5	
स्पेन	2.0	-8.0	4.3	
यूके	1.4	-6.5	4.0	
यूएसए	2.3	-5.9	4.7	

स्रोत: आईएमएफ विश्व आर्थिक आउटलुक (अप्रैल 2020)

## खुदरा निवेशकों के लिए अनुमान

स्टॉक मार्केट कई मूर्त और अमूर्त कारकों जैसे आर्थिक संकेत, सरकारी नीतियाँ, आम जनता की सोच, भविष्य के अनुमानों इत्यादि से प्रभावित होते हैं। वर्तमान परिदृश्य और दुनिया भर में आई निराशा की वजह से शेयर बाजार अस्थिर रहे हैं।

कोविड -19 ने पिछले 4 - 5 वर्षों में मेहनत से कमाए गए धन का नुकसान किया है। हालांकि, कई दलालों के लिए नए कारोबार में उछाल आया है। शायद कम मूल्यांकन से आकर्षित होकर और तकनीक और समय की सुविधा की वजह से नए निवेशकों ने पहली बार शेयर बाजार में प्रवेश किया है। यह निश्चित रूप से भारतीय पूंजी बाजार की परिपक्कता का एक बड़ा संकेत है।

जबिक बाहरी परिदृश्य बदल गया है, खुदरा निवेशकों के लिए शेयर बाजार में निवेश करने के बुनियादी सिद्धांत अभी भी वही हैं।

- अनुभवी निवेशक भी शेयर बाजार में आने वाले क्रैश को पहचानने में बहुत देर कर देते हैं।
  - शेयर बाजार क्रैश के दौरान बेचने के प्रलोभन में नहीं पड़ना चाहिए। यह गिरते हुए चाकू को पकड़ने की कोशिश करने जैसा है। स्टॉक मार्केट क्रैश के समय बेचना मतलब अपने स्टॉक को निमृतम कीमत पर बेचना हो सकता है।
- मंदी या बुरे समय के खिलाफ सोना या कोई एक संपत्ति कारगर नहीं सिद्ध होती हैं। इसके बजाय, पोर्टफोलियो में विविधता लाने वाले निवेशक अक्सर सही साबित होते हैं।
- ऐसे व्यक्ति के लिए जो दीर्घकालिक निवेश के लिए अपने पोर्टफोलियो का निर्माण करने की कोशिश कर रहा है, कम कीमत पर खरीदने का यह अच्छा अवसर है। लेकिन निवेशकों को जुनूनी होने से बचना चाहिए।

## निवेशकों के लिए तकनीक का महत्व

कोविड -19 महामारी और राष्ट्रव्यापी बंद के मद्देनजर, बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक हो गया है कि ग्राहक इन प्रतिबंधों के कारण पीड़ित न हों।

सामान्य परिस्थितियों में, उपभोक्ता को नई सेवाओं का लाभ उठाने के लिए अपने बैंक की शाखा जाने की आवश्यकता होती है - जैसे पते को अद्यतन करना, नामांकन जोड़ना, मोबाइल नंबर में परिवर्तन| इन सबके लिए केवाईसी दस्तावेजों की अनुप्रमाणित प्रतियां जमा करने की आवश्यकता होती है।

इस लॉक डाउन ने विनियामकों और सेवा प्रदान करने वालों को डिजिटल माध्यमों द्वारा लेनदेन को सुविधाजनक और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एक अच्छा अवसर दिया है।

इस स्थिति में डिजिटल माध्यमों और तकनीक के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए, आरबीआई और सेबी सहित नियामकों ने कई उपायों की घोषणा की है और सेवाओं के डिजिटलीकरण की सुविधा के लिए कुछ नियमों में संशोधन भी किया है।

आरबीआई: इस साल की शुरुआत में यानि जनवरी में आरबीआई ने बैंकों, एनबीएफसी और अन्य वित्तीय संस्थानों को एक अधिसूचना जारी कर ग्राहकों की पहचान सत्यापित करने के लिए वीडियो-आधारित ग्राहक पहचान प्रक्रिया का संचालन करने की अनुमित दी थी। लागत कम करने, ग्राहकों को असुविधा से बचाने और नए ग्राहकों के लिए ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया में सुधार के लिए यह पहल, भारत में कोविड -19 के पहले मामले से पहले ही हो गयी थी। लॉकडाउन के दौरान ग्राहकों के साथ सेवा प्रदाताओं के लिए यह बेहद उपयोगी और फायदेमंद साबित हई है।

सेबी: सेबी ने तकनीकी नवाचारों के उपयोग से प्रतिभूति बाजार में भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए, केवाईसी को आसान बनाने के लिए कई उपायों की भी घोषणा की है, जिनमे से कुछ प्रमुख निन्मलिखित हैं:

डिजिटल हस्ताक्षरः उपभोक्ता अब आधिकारिक रूप से अपनी पहचान और निवास के प्रमाण के दस्तावेज के लिए (जो ट्रेडिंग / डीमैट खाता खोलने के लिए आवश्यक हैं), ई-हस्ताक्षर और डिजिलॉकर का उपयोग कर सकते हैं। इन दस्तावेजों को डीपी आदि के साथ उनकी वेबसाइट, ऐप या ई-मेल के माध्यम से साझा कर सकते हैं।

सेबी ने निवेशकों को केवाईसी फॉर्म और जमा किए जाने वाले दस्तावेजों की प्रतियों पर क्रॉप्ड सिग्नेचर का उपयोग करने की अनुमति भी दी है।

#### वीडियो-आधारित इन-पर्सन वेरिफिकेशन:

डीपी, शेयर दलाल आदि मध्यस्थों को अपने ऐप्स के माध्यम से वीडियो-आधारित इन-पर्सन वेरिफिकेशन करने की अनुमित दी गई है। इसके लिए मध्यस्थ के अधिकृत कर्मियों को वीडियो कॉल पर दस्तावेजों को सत्यापित करने और रिकॉर्ड करने की आवश्यकता होगी।

रद्द किए गए चेक की छिव: ग्राहकों के बैंकिंग विवरणों को सत्यापित करने के लिए मध्यस्थों को ग्राहकों के हस्ताक्षरित रद्द चेक की तस्वीर या स्कैन को स्वीकार करने की अनुमित दी गई है।

एनएसडीएल की ई-सेवाएं: वित्तीय सेवाओं और प्रतिभूति तंत्र में एक प्रमुख मध्यस्थ के रूप में एनएसडीएल तकनीकी नवाचारों और डिजिटल उपकरणों का उपयोग कर निवेशकों और ग्राहकों को

ई-सेवाएं प्रदान करने में आगे रहा है। इन सेवाओं में निम्नलिखित शामिल हैं-

**ऑनलाइन डीमैट खाता खोलना:** एनएसडीएल के कुछ डीपी अपने ग्राहकों को एनएसडीएल की ई-केवाईसी सेवा का उपयोग करके पूरी तरह से ऑनलाइन डीमैट खाता खोलने की सुविधा दे रहे हैं।

एनएसडीएल मोबाइल ऐप: यह एनएसडीएल के डीमैट खाताधारकों के लिए एक पूर्णतः निःशुल्क ऐप है। इस ऍप के द्वारा आप:

- अपने खाते की शेष राशि और होल्डिंग का मूल्य देख सकते हैं।
- ई-डीआईएस (इलेक्ट्रॉनिक डिलीवरी इंस्ट्रक्शन स्लिप) सुविधा से क्लियरिंग सदस्य द्वारा अपलोड किए गए भुगतान संबंधी निर्देशों की पृष्टि कर सकते हैं।
- जिन कंपनियों में आपका निवेश है, उनसे संबंधित प्रस्तावों पर ई-वोटिंग सकते हैं।

आइडियाज: एनएसडीएल द्वारा पेश इंटरनेट आधारित निःशुल्क सुविधा, डीमैट खाताधारकों को अद्यतन खाता शेष जाँच करने और पोर्टफोलियो मूल्यांकन कहीं भी, कभी भी करने में सक्षम बनाती है। इस सुविधा का उपयोग करके ग्राहक पिछले 12 समेकित खाता विवरण (सीएएस) देख सकते हैं और ई-वोटिंग में भाग ले सकते हैं। एनएसडीएल डीमैट खाताधारक इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए <a href="https://eservices.nsdl.com">https://eservices.nsdl.com</a> पर पंजीकरण कर सकते हैं।

स्पीड-ई: एनएसडीएल द्वारा दी गई एक और इंटरनेट आधारित सुविधा, यह डीमैट खाताधारकों को अपने डीपी को डिलीवरी इंस्ट्रक्शन स्लिप प्रत्यक्ष में जमा करने के बजाय ऑनलाइन प्रस्तुत करने में सक्षम बनाती है। इसके द्वारा उपभोक्ता अपने डीमैट खातों में शेष राशि, लेनदेन और निर्देशों के निष्पादन की जांच कर सकते हैं। डीमैट खाते को एकमात्र धारक के रूप में रखने वाले उपभोक्ता, इस सुविधा का विकल्प https://eservices.nsdl.com पर ऑनलाइन चुन सकते हैं।



जहाँ डिजिटल सेवाएं बैंकिंग और अन्य वित्तीय सेवाओं को अधिक सुलभ बनाती हैं, वहीं वे साइबर अपराधों और हैकरों की जालसाजिओं का कारण भी बनती है। वे व्यवस्था की कुछ खामियों और उपभोक्ताओं की कम जागरूकता का लाभ उठाते हैं। लॉक डाउन के दौरान ऐसी धोखाधड़ी की घटनाएं बढ़ी हैं।

किसी भी व्यक्ति के साथ कोई भी व्यक्तिगत जानकारी, खाता संख्या, पासवर्ड, ओटीपी और पिन किसी भी रूप में साझा न करने का सुनहरा सिद्धांत याद रखें। कोई भी बैंक, बीमा कंपनी, सेबी, आरबीआई, एनएसडीएल, स्टॉक एक्सचेंज या सरकारी विभाग ऐसी जानकारी मांगने के लिए कभी भी आपको कॉल या ईमेल नहीं करेंगे। केवल एक धोखेबाज ही ऐसा करने की कोशिश करेगा।

# प्रधानमंत्री / मुख्यमंत्री राहत कोष में दान के लिए फ़िशिंग ईमेल:

ये घोटाले कोविड -19 महामारी की चिकित्सा और राहत के लिए दान का अनुरोध करते हैं।

## वायरस को ट्रैक करें जैसे स्कैम:

इस प्रकार के फ़िशिंग प्रयास ईमेल और टेक्स्ट दोनों के माध्यम से किये जाते है। वे लोगों को ऐसे सॉफ्टवेयर / ऐप डाउनलोड करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं जो वायरस के प्रसार को ट्रैक करने में मदद कर सकते हैं। असल में इनका मकसद आपके कंप्यूटर या फोन को रैंसमवेयर से संक्रमित करना होता है ताकि वे डिवाइस को पुनर्स्थापित करने के लिए आपसे भुगतान की मांग कर सकें। हम आपको कोविड -19 संबंधित सूचनाओं के लिए आरोग्य सेतु ऐप उपयोग करने की सलाह देते हैं।

## विश्व स्वास्थ्य संगठन या भारत सरकार को रुपारोप करने वाले ई-मेल

यदि कोई आपको इन जैसे शीर्ष संगठनों से होने का दावा करने वाला ईमेल मिलता है, तो तुरंत सचेत हो जाइये। यह ईमेल लोगों से अपने बैंक खाते का विवरण प्रदान करने के लिए कहता है ताकि सहायता योजना से 'भुगतान' आपके खाते में जमा किया जा सके। भुगतान आपके खाते में नहीं, बल्कि आपके खाते से उन धोखेबाजों को होगा।

#### फिशिंग अभियान होने के चेतावनी संकेत

समय का दबाव: आमतौर पर, फ़िशिंग ईमेल अक्सर शीघ्र कार्यवाही की जरुरत का प्रदर्शन करते हैं। 'MoHFW' से अलर्ट या 'INGOV' जैसे ईमेल का विशेष ध्यान रखें।

गलत व्याकरण और भाषा: बड़े संगठनों के पास पूरी टीम होती है, जो उनके द्वारा भेजे जाने वाले ईमेल को लिखते और संपादित करतीं हैं। इसलिए उनमें वर्तनी अथवा व्याकरण की गलतियों की संभावना बहुत कम होती है। स्कैमर के पास यह सुविधा नहीं होती है और परिणामस्वरूप इन ई-मेल में अनेक चूक और अश्द्धियाँ होती हैं।

## पीएम केयर्स फंड के नाम पर साइबर अपराध के कुछ उदाहरण

कोविड -19 से निपटने के लिए पीएम केयर्स फंड की घोषणा और नागरिकों से डिजिटल भुगतान का उपयोग कर फंड में योगदान करने की अपील करने के बाद, मदद करने के लिए उत्सुक नागरिकों का साइबर अपराधी फायदा उठा रहे हैं।

वे नकली वेबसाइट और सोशल मीडिया पेजों के साथ-साथ ई-मेल और संदेशों के माध्यम से नकली यूपीआई भुगतान लिंक भेजते है जो आधिकारिक यूपीआई आईडी pmcares@sbi की तरह लगते हैं। जैसे की pmcare@sbi, pmcares@hdfcbank, pmcares@pnb, pmcares@icicibank इत्यादि । कृपया ध्यान दें कि पीएम केयर्स फंड की ओर से सहायता रकम लेने के लिए एसबीआई एकमात्र अधिकृत बैंक है, इसलिए दान करने से पहले कृपया UPI ID (pmcares@sbi) और खाता नाम (PM CARES) की जाँच करें।

## सॉवरेन स्वर्ण (गोल्ड) बांड स्कीम

#### 2020-21

#### सॉवरेन गोल्ड बांड क्या हैं? (एसजीबी)

एसजीबी आरबीआई द्वारा भारत सरकार की ओर से जारी सरकारी प्रतिभूतियां हैं जो सोने के रूप में व्यक्त की जाती हैं। किसी भी अन्य बॉन्ड या कमोडिटी की तरह, निवेशक उसके इशू प्राइस का भुगतान करते हैं जो बाजार मूल्य से जुड़ा होता है। परिपक्कता पर बांड को भुनाया जा सकता है।

#### एसजीबी में निवेश क्यों?

पोर्टफोलियो का विविधीकरण व्यक्तिगत वित्त का मूलभूत सिद्धांत है। निवेश के लिए सोना एक लोकप्रिय संपत्ति है। परंपरागत रूप से लोग आभूषण, सिक्के या बार खरीद कर सोने में निवेश करते थे। भौतिक या पारंपरिक रूप में सोने की खरीद की तुलना में, एसजीबी में निवेश एक बेहतर विकल्प है।

## अतिरिक्त फंड के लिए अपेक्षाकृत आसान विकल्पः

एसजीबी आसानी से हस्तांतरित किये जा सकते हैं और जारी करने की तारीख से एक पखवाड़े के भीतर स्टॉक एक्सचेंजों पर इसका कारोबार किया जा सकता है।

इसके अलावा, इसका उपयोग बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण लेने के लिए गिरवी रखने में भी किया जा सकता है। ये सब कारण और सोने की अपेक्षाकृत स्थिर कीमत मिलकर, एसजीबी को तुलनात्मक रूप से सुरक्षित और अपेक्षाकृत अधिक प्रभावी बनाते हैं।

#### कर पर परिणाम

वैयक्तिक करदाताओं को एसजीबी की वापसी पर होने वाले पूंजीगत लाभ कर (कैपिटल गेन्स टैक्स) में छूट है। बांड के हस्तांतरण पर व्यक्ति को होने वाले दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ को सूचकांक लाभ (इंडेक्सेशन बेनिफिट्स) लाभ प्राप्त हो सकता है।

## सुविधाजनक और परेशानी मुक्त

एसजीबी को आरबीआई की पुस्तकों में डीमैटरियलाइज्ड रूप में रखा जाता है, इसलिए यह रख रखाव के जोखिम के बिना सोना खरीदने के समान है। इसके अलावा, आभूषण के रूप में सोना खरीदने में बनवाई का खर्च, गहना तुड़वाते वक्त लगने वाली राशि और शुद्धता का नुकसान होता है। इसलिए सोने में निवेश करने के लिए एसजीबी सुविधाजनक और परेशानी मुक्त साधन है।

#### एसजीबी में कौन निवेश कर सकता है?

एसजीबी की बिक्री सिर्फ भारत में रहने वाले व्यक्ति,

हिन्दू अविभाजित परिवार, न्यास, विश्वविद्यालय और धर्मार्थ संस्थान के लिए है। आवासीय स्थिति में परिवर्तन (निवासी से गैर-निवासी) होने पर निवेशक अविध पूर्व भुगतान ले सकते हैं या परिपक्वता तक एसजीबी रख सकते हैं।

#### सीमा और ब्याज

एसजीबी एक ग्राम और इसके गुणक में उपलब्ध है। न्यूनतम निवेश 1 ग्राम सोने का है। व्यक्तियों और हिन्दू अविभाजित परिवार के लिए 4 किलो और न्यास आदि संस्थाओं के लिए 20 किलो की अधिकतम सीमा है। निवेशक अंकित मूल्य पर 2.50 प्रतिशत प्रति वर्ष की निश्चित दर पर ब्याज प्राप्त करने के लिए पात्र होंगे, जो एक वर्ष में दो बार देय होगा।

### परिपक्वता और प्रतिदान मूल्य

बांड का कार्यकाल 8 साल की अवधि के लिए होगा। समय पूर्व बाहर निकलने का विकल्प 5 वें वर्ष की ब्याज भुगतान की तारीखों पर या बाद में चुना जा सकेगा। विमोचन मूल्य पुनर्भुगतान की तारीख से पिछले 3 व्यावसायिक दिनों की 999 शुद्धता वाले सोने की समापन कीमत के साधारण औसत के आधार पर होगा।

#### एसजीबी में निवेश कैसे करें?

निवेशक निम्नलिखित माध्यम से एसजीबी ले सकते हैं:

- अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (छोटे वित्त बैंकों और भुगतान बैंकों को छोड़कर),
- स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल),
- नामित डाकघर एवं
- एनएसई और बीएसई

एसजीबी के लिए केवाईसी मानदंड भौतिक सोने की खरीद के समान हैं। आयकर विभाग द्वारा जारी पैन सभी आवेदनों के साथ देना अनिवार्य है।

#### ऑनलाइन आवेदन

ऑनलाइन प्राप्त हुए और डिजिटल रूप से भुगतान किए गए आवेदन 50 रुपये प्रति ग्राम की छूट के लिए पात्र होंगे। एसजीबी को डीमैट खाते में अथवा प्रमाण पत्र के रूप में रखा जा सकता हैं जिसे बाद में निवेशक चाहे तो डीमैट रूप में परिवर्तित कर सकते हैं।

### महत्वपूर्ण तिथियां:

क्रमांक	श्रृंखला	सदस्यता तिथि की तारीख	जारी करने की तारीख
1	2020-21 श्रृंखला ॥।	जून 08- 12, 2020	जून 16, 2020
2	2020-21 श्रृंखला IV	जुलाई 06-10, 2020	जुलाई 14, 2020
3	2020-21 श्रृंखला v	अगस्त 3-7, 2020	अगस्त 11, 2020
4	2020-21 श्रृंखला VI	अगस्त 31- सितम्बर 4, 2020	सितम्बर 8, 2020



## स्पीड-ई सुविधा प्राप्त करने के लिए एनएसडीएल डीमैट खाता धारकों के लिए सरल ऑनलाइन प्रक्रिया:

एनएसडीएल ने इंटरनेट आधारित स्पीड-ई सुविधा का लाभ उठाने के लिए एक सरल ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू की है। पंजीकरण प्रक्रिया को डीपी कार्यालय में जाएं बिना एनएसडीएल ई-सेवा वेबसाइट https://eservices.nsdl.com पर ऑनलाइन पूरा किया जा सकता है।

सन्दर्भ: सर्कुलर नंबर <u>NSDL/ POLICY/2020/0054</u> <u>तारीख अप्रैल 29, 2020</u>, जो <u>एनएसडीएल वेबसाइट</u> पर उपलब्ध है।

### शेयरधारकों के लिए ई-मेल अपडेट सुविधा

एनएसडीएल ने डीमैट खाते में ईमेल आईडी दर्ज़ कराने के लिए कंपनियों को अपने शेयरधारकों से जुड़ने के लिए एक सुविधा विकसित की है।

सन्दर्भ: सर्कुलर नंबर <u>NSDL/POLICY/2020/0032</u> <u>तारीख मार्च 16, 2020</u>, जो <u>एनएसडीएल वेबसाइट</u> पर उपलब्ध है।

## स्टॉक एक्सचेंज इन्फ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से म्यूचुअल फंड योजनाओं में लेनदेन की सुविधा

निवेशक अब म्युचुअल फंड / एसेट मैनेजमेंट कंपनियों से म्यूचुअल फंड इकाइयों की खरीदी और प्रतिदान मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों के माध्यम से भी कर सकते हैं।

सन्दर्भ: <u>NSDL/POLICY/2020/0025</u> तारीख मार्च 11, 2020, जो <u>एनएसडीएल वेबसाइट</u> पर उपलब्ध है।

## डिजिटल बैंकिंग की ओर बढ़ें - सुरक्षित बैंकिंग!

डिजिटल होना पूरे विश्व का चलन बन गया हैं। इसने हमारे वित्त प्रबंधन के तरीके को भी बदल दिया है। इस डिजिटल परिवर्तन के रूप में, डिजिटल बैंकिंग एक आसान और त्वरित बैंकिंग के सुरक्षित तरीके के रूप में विकसित हुई है। आप इसे घर बैठे कर सकते हैं।

- एनएसडीएल ने पूरी तरह से डिजिटल बैंक -एनएसडीएल पेमेंट्स बैंक आरंभ किया है जो आरबीआई द्वारा अनुमोदित है।
- एनएसडीएल जिफ्फी बैंक का मोबाइल ऐप है जो गूगल प्ले स्टोर (Google Play Store) पर उपलब्ध है। यह बैंक का चेहरा है और बहुत जल्दी, सहज और कागज रहित बचत खाता खोलने की सुविधा देता है। यह फंड ट्रांसफर, बिल भुगतान, रिचार्ज, वर्चुअल डेबिट कार्ड, भौतिक डेबिट कार्ड जारी करना जैसी सेवाएं प्रदान करता है।
- एनएसडीएल पेमेंट्स बैंक करंट अकाउंट और कॉपोरेट इंटरनेट बैंकिंग सुविधा भी प्रदान करता है।
- यह बैंक तीसरे पक्षों के वित्तीय उत्पाद जैसे म्यूचुअल फंड, जीवन बीमा और साधारण बीमा भी उपलब्ध करायेगा।
- यह बैंक बैंकिंग सेवाओं से नहीं जुड़े हुए और कम तौर पर जुड़े हुए लोगों के लिए घरेलू मनी ट्रांसफर, माइक्रो एटीएम, आधार द्वारा सक्षम भुगतान सेवा, नकद जमा और नकद निकासी जैसी सेवाओं तक पहुंच प्रदान करता है।
- मर्चेंट उत्पाद जैसे मर्चेंट पीओएस और क्यूआर, पेमेंट गेटवे और पेमेंट-सर्विस, प्रीपेड कार्ड और बहुत कुछ।

## एनएसडीएल जिफ्फी: आपका मोबाइल बैंक, तीव्र और सुरक्षित

- खाता खोलने की त्वरित और सहज प्रक्रिया: 100% डिजिटल।
- शून्य औसत मासिक शेष राशि की आवश्यकता -सीमित अविध की पेशकश - 30 जून 2020 तक खोले गए खातों के लिए।
- शेष राशि पर 4% प्रति वर्ष का ब्याज, जो हर तिमाही दिया जाएगा।
- ऑनलाइन खरीदारी करने के लिए अपने निःशुल्क वर्चुअल डेबिट कार्ड का आनंद लें। जिफ़ी ऐप से भौतिक डेबिट कार्ड के लिए अनुरोध कर सकते हैं।
- सभी सुविधाओं जैसे फंड ट्रांसफर, बिल भुगतान, रिचार्ज आदि तत्क्षण उपलब्ध।
- एनएसडीएल की विचारधारा तकनीक, विश्वास और पहुंच पर आधारित ।
- एनएसडीएल जिफ्फी एप के साथ अपने स्मार्टफोन से कहीं भी, कभी भी बैंकिंग का आनंद लें।



Download Now: https://bit.ly/NSDLJiffyTKF 1

## नॉलेज विन प्रतियोगिता

सॉवरेन गोल्ड बांड में किए गए निवेश पर ब्याज की दर क्या है?

उत्तर भेजने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें या क्यू आर कोड स्कैन करें



25

भाग्यशाली विजेताओं

को

मिलेंगे उपहार





## पिछले महीने के विजेता

अब्दुल्ला अहमद - कोलकाता बलराम आनंद - दिल्ली बलराम प्रसाद - मधुबनी भावार्थ कुमार – वानापर्थी बिनोद कुमार - आसनसोल चंद्रशेखर रेड्डी - रंगारेड्डी चंद्रशेखर शमन्ना – बेंगलुरु चेताली केनी - पुणे दिव्या जैन - मुंबई डॉ. नितिन घाघ - ठाणे गणेशन सुब्रमणियन - चेन्नई गीता प्रथम - चेन्नई हरभजन मंटाला - कोपरगाँव हार्दिक देवानी - पुणे हार्दिक नगर - वडोदरा हार्दिक शेठ - सूरत हेमंत कुमार - बेंगलुरु जमीला करीम - एर्नाकुलम जसमीत भाटिया - बिलासपुर श्रुति नाडार - रायगढ़ तेजल पारिख -अहमदाबाद तेजिंदर शाही - सिकंदराबाद थॉमस कुरीआकोज़ – कोट्टायम धीरेंद्र शर्मा - जयपुर

#### मुख्य कार्यालय

💡 ट्रेड वर्ल्ड, ए विंग, चौथा माला, कमला मिल्स कंपाउंड, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई - ४०००१३

#### शाखायें

👱 अहमदाबाद 🗣 कोच्चि 🗣 कोलकाता 🗣 चेन्नई 🗣 जयपुर 🗣 नई दिल्ली 🗣 बेंगलुरु 🗣 लखनऊ 🗣 हैदराबाद

डीमैंट संबंधित किसी भी शिकायत के लिए हमें <u>relations@nsdl.co.in</u> पर ई-मेल लिखें डीमैंट संबंधित अन्य किसी जानकारी के लिए हमें info@nsdl.co.in पर ई-मेल लिखें

#### नियम और शर्ते :

1)इस प्रतियोगिता के निष्पादन के लिए केवल एनएसडील जिम्मेदार रहेगा। यह प्रतियोगिता सिर्फ भारतीय नागरिकों के लिए है। 2)एनएसडील के कर्मचारी इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकते। 3)व्यक्तिगत जानकारी पूरी और सही होनी चाहिए। 4)आवश्यकता पड़ने पर एनएसडील प्रमाण की मांग कर सकता हैं| 5)एनएसडील को किसी भी समय बिना किसी पूर्व सूचना दिए, प्रतियोगिता बंद करने का अधिकार है। 6)विजेताओं का चयन एनएसडील द्वारा किया जाएगा। एनएसडील का निर्णय अंतिम होगा|

नेशनल सिक्युरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड इन्वेस्टर प्रोटेक्शन फण्ड ट्रस्ट की ओर से श्री प्रशांत वागल (संपादक) द्वारा मुद्रित व प्रकाशित